

पायत्रजायवपु महाकवृक्षा न सम्यन्नशुभा ॥ जगत्संसार
 यां नरुयौ नार्थयाक महाकवृक्षा न नरुयौ ॥ ४ ॥ हृष्ट
 उरु गये मृदिने ४ सुधा विग्रहनाये हि ४ वृद्ध कृष्ण कवे श्रा
 ये ४ सार्द्ध यथ न विग्रह ४ ॥ विष्णु ज्ञान दया ४ स ४ सुखा
 नरुयौ महाका धर्मरुयौ नाश ४ न वृद्धा गे सक्ताय नया धर्मध

II-368

धर्मरत्न बजाचार्य पुरत श्री महाविहार

五

वृत्तपर्वविद्याद्वयवृत्तनस्यैवत्रयस्यैवसखायनसहिनयानाया। क
 कृष्णार्जुनसंज्ञयायागव॥ ७ ॥ यममयनाथसर्ववृत्तहगवकन
 थागन। कृष्णार्जुनसंज्ञयायागव॥ ७ ॥ यममयनाथसर्ववृत्तहगवकन
 यंरगवकन। यममयनाथसर्ववृत्तहगवकन। यममयनाथसर्ववृत्तहगवकन।
 ७। नमस्काययानायावृत्तपर्वविद्याद्वयवृत्तनस्यैवत्रयस्यैवसखायनसहिनयानाया। क

8

ॐ नापयानं ॥ ५ ॥ मच्चिथायममार्थयमूनकीपायमविह
मायाजानाहिसंयाधियभलाहिरुवानाहं ॥ ॥ शरुगावन्
जिपानेकहिनयायधाननिमिहिनैजिपनिह उयकाययायानि
मिहिनैजिपनिह काधनार्थयायधानधमामाजालया नैययारव
जिपानेननननन नूकायाहा जालादयकस्ययिषन्नहयमायख

महायानक्रियानैक्रियायासमयध्याना नथयानतत्त्वधुनाना
 नसर्वहर्षगार्थिगवच्छ्रित्ययामनवक्षियाकावक्षस्वैकनयाल
 ॥ ९ ॥ रागवन्नज्ञानकायस्यमहाप्रीतस्यगीष्मन ॥ मं३३थी ६
 ज्ञानसत्त्वस्यज्ञानमूर्तिस्वर्यंउ व३॥ ॥ रा३३थी म३३गार्थिः
 गवज्ञानमशीवमेश्वरीवक्रमधुलयास्वामी समस्तमस्तु ॥

नमः३३थी ध्याया धर्मस्वामिज्ञानमूर्तियाहवाह ॥ अस्यपालस्वर्यंउ
 याखजज्ञादयकस्यपन्नश्यमान ॥ १० ॥ रागीलीनाथमदाया
 थमहाथमसमीभिवा ॥ आदिमध्याकल्याणीनामसंगीतिमरु
 मी ॥ ॥ रा३३थी रागवन्नगार्थिगवनामसंगीतियाअर्थवर्गीली नञ
 आहमननगवन्नयायमजीवमहाउरुमहा केनेथाखमहाज्ञा

नया अर्थ समस्त सख भाद गनिया ख समस्त भाद या सि नी उरु म
 था भाद या उल्लभ व नय ह नी मद्र ॥ आदि सी म धर्मे अरु सी म ग
 ल सी पत्र द्वा ॥ नाम सी गी नि ध्या या भाद महा उरु म क था नी सी प
 न्न रु व ग थि ग व नाम सी गी नि ध्या व सा ॥ ११ ॥ या नी के ४ रु पि
 ना व रु पि ष्य भू च ना ग ना ॥ १२ ॥ पत्रा थि सं व द्वा या रा ष क प

न ४ पू न ४ ॥ ॥ हा या आ पि न था ग न प नि स्य नी हा स्य न था ख लि
 व उ पि य नि न था ग न प नि स्य नी आ हा द य का ठा न थ गु आ व द स
 वा रु व ह य नि स्य नी पू न र वा री वा न प न र पी न या थ थि ग व नाम सी
 गी नि ध्या या भाद ॥ १२ ॥ मा या जाल महा न रु या वा स्मि सी
 उ गी य न महा व रु ध वे ह रु न प म य म रु धा नि लि ४ ॥ ॥ ग

उ

थिं गव नाम सैगी नि धा वसा माया जाल मरु सपि कास्य नया भस्ति
 धा नाम सैगी नि धा कासया दडा नव नव वरु धन पति स्य नै म
 नद साद नया नव ख सुख धा नाम सैगी नि धा या ॥ १३ ॥
 नह ये वे ना धा वयि ध्या मि निर्या नै वद दं भय । यथा रग वा
 नह ना ध सर्व सै वद यु क् ॥ ॥ राग व न धा ॥

८

गु वी नाम सैगी नि धा या गु नि न न ध व न प विरु नद द या ना धा
 भस्ति न न ध व न प वान न न व द या व द प नि स्य नै वरु ध व न प नि
 स्य नै ध व पार्थ न न ध व न प या ० या य । सम रु द्वा न क था स गु
 ज्ञा न न ध व न प वि धा क नू प धा मि र्वा भ व मू नि स्य न वरु पा
 धि र्वा आ द भ वि या त्व ॥ १४ ॥ य का भ वि धा स त्वा ना य धा

भयविशेषः ४॥ अथैकमनाभयः ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥

कायस्थिनाशः ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकज्ञानज्ञानयः ॥

वादिपदाकर्ममः॥निर्द्धमर्थायनास्तीनास्वजिह्वास्यमरुवां कृता॥

॥अथमथानेकवधनलिखासाकमनिस्यनवजयादिः॥

कठारवगार्थिगवभाकमनिधनसासम्यावृद्धनथागनया
हूननलाकमहनगार्थिगवर्गवानसमस्तयवलाकसउरु
ममनूष्यलाकसउरुममहानिर्द्धययनपनिपुष्टुयाचैथ

वजिह्वानेमगलवचनखलाकम॥ ५ ॥सिद्धिभादस्यलाकाना
मपायकमधनेजेलाकसासकलधीवउन्मानालिमासने॥
हनीगार्थिगवसाकमनिर्गवानसमस्तलाकस्ययाधामसइनक
याधविष्ठाकहनागार्थिगवधिकालयाकावर्षसावमायकिवगु
वीकाययाकिरुपायदहनपूजिनावर्षेभाधनायाकाउभावा

६७

कूटलाकसं नऊनव्यापदयाहावचकुमानध्यागं कूटयव
धर्मदमनाविलं ॥ २ ॥ ७ लाकैवमापूत्रयत्यावन्नामध
नयागीनात्यह्यहावनगुद्यडाग्रजयाहिमहावल ४॥ ॥ ग
थिगवभावासीरुहयिवध्यागं कवन्नाधाप ७ लाय्यस्यनम
स्यपागावसं नायइमहांसधूपगं दुरुनदुययापूगं दथिथि

वमधूपगं दनीयज्यानिज्जायभाविर्न ॥ ३ ॥ साधवजधव ४ यी
मानसाधनयज्याधय ४ यस्वैजगदिनाथयमहाकवधयानि
की ॥ रागयभावासीरुहयिवध्यागं कवन्नाधाप ७ लाय्यस्यनम
न्या ७ लाय्यस्यनम ७ लाय्यस्यनम ७ लाय्यस्यनम ७ लाय्यस्यनम
मिहिनमहाजागकथा ७ नकनाख ७ महाकवधयानि

शरवः ॥ ४ ॥ महाराथनासंगीनिप्रवीणामघनास्तानि ॥ मईश्री ॥
 नानकायस्य मरुश्च न समयत ॥ ॥ भावजया विगार्थिगवर
 कनकहारमहागुहा कनखद्वानामसंगीनिधया समस्तसं ॥ १२ ॥
 साप्रयापविश्याय द्वगुलिकथान ॥ ५ ॥ नसा धूरसया
 मप्र अहक गुयकाधिय ॥ ५ ॥ हृत्त्वमकाग्रमना न कसाध

रगवानिनि ॥ ॥ पवित्रप्रनगमथाघट ॥ ॥ सुमस्तपाप
 माचकि वधुगु निनसुयाकथा अपसा मईश्रीयाकथामईश्री
 गार्थिगव अपसाहानभानिलथार्थिगवकथाः कनकन धानपक
 मनयादं रुहाजन कनरुथा ॥ ॥ पूषमिशक ॥ ६ ॥ ७ ॥
 अथसायमनिरुगवान्सकलमरुहलीमहत् मरुविद्याधः

का
रु

नैकूल्यवलायकलेख्य ॥ ॥ **अथ नालिख्य पाणिनीय** ॥
मृनिनैपूनववाजं नाप्रयात षूगुलिकूलसपयमकूपवृह
मार्गखपायसविलेखनकायांठिजियं नभेनसहस्रमलया
कूलमकुजायलपूथायामंशयावीकूलमकुविद्याधनवर्ष
याग्यवाधिसखसकलीथसकलकनैयवलाकीधायथात

५३

ययाकूलश्रीमंश्रीवीरेश्वर ॥ १ ॥ साकलाकारुनीकूलला
कालाककूलमहन महामुखाकूलवागं महाक्रीषकूलमहन
॥ **अथ कारुण्यधर्मसाधन** ॥ सायधन नानगुलिकूलथस
पालशर्वधनयाकूलमहन महामुखाकूलवजसूयाप्रदिया
जगदलमकूलथसपालमहासखवक्रमधुलयाकूलथ

ॐ
ह

ॐ ॥ २ ॥ ॐ वज्र नील ३४ ख ६ ५ प ह्ना न मूर्क य ॥ ह्ना न काय वा
गी धन अ व प व नाय न न म ४ ॥ ॐ वज्र धाय गु न ता नीलः
३४ ख ६ ५ धाय अ न क ३४ ख ६ ५ न प म हा ३४ ख मा व कू प ह्नाः
ह्ना न मूर्किय धाय प ह्ना न सी र क र व ह्ना न प न म ह्ना न भि न स ध व
व प ह्ना न काय वा गी ध न धाय अ ह्ना य य न म ह्ना न ध न पी वि धा क

१६

क म र्क शी र्व अ व प व नाय धाय म र्क शी स म र्क थ थि ग व प न म ध व
या व न म र्का न ॥ ३ ॥ माया जाला हि सी वा धि क म गा धि म ॥ ध
न माया जाल या प न म गा थ ॥ क मा प ४ ॥ ॐ ॥ न य थ र्ग
या नू द्वा सं व द्वा काल सी र व अ का न स व व र्ग म म हा र्थ य नः
मा क न ४ ॥ ॥ अ व द्वा ध म र्था य त्रि पा नि न प का सं या य ह्ना

श्रीधनसा जगि न गजव न सुनं न नाम इ हनं समस्त पाठिया
 हरयसै की जयाना भक्ति न विद्या क जगि न वध द सुदिने न दे
 वी सावम इ समस्त नाना इ ४ ख माच क ३ ४ ख हा नका व कृ या भ ५ ११
 ॥ ३ ॥ महामहमहामाह मूठ धी माह सुदन ४ ॥ महामहमह
 काठमहाकाधनियूमहात् ॥ ॥ सुवे माहम इ जगाना नय

दभमदिव नव न जव न जगाना न माच क हनं गधि गुज
 दि न न व का धनि जयया ह माच क न व का धी या भ ५ सुया से
 नै न धा भ ५ माच क ॥ ४ ॥ महामहमहालाह सर्व लो रु नि
 सुदन ४ ॥ महाकाभा महासा ध्या भो महाभादा महावति ॥ ॥
 जगि न वला रु व न सै य क या हा वा रु ला है क या समस्त ला रु माच

ॐ
३

कहनीगर्थिगुधनसासमस्तकामनारुलवियरुडा।महासुखः
आनन्दविवहनीगर्थिगुहर्षमानसेककामरुग्महायमानक
वग ५॥महावृथासहाकायामहावपुःमहावपुः॥महाना
मामहायासामहाविपुलमधुल॥गार्थिगवमरुथीअति
तस्यननूपवन्तजतिनवमनीवपृथीनमद्वरुवृहनीगः

१८

थिगवधनसासहानामडाशानवउदासमहायागीसमस्तदवः
मनस्थननामकास्येनवमहायकयानायक४॥७॥महापः
ह्रायधधनामहाक्रमकृमगनीमहायसामहाकीरुमहाका
किमहायनि॥नवधनगरुधनवर्षविद्यकगार्थिगवमरुः
धनसासहानमरुधनवर्षविद्याकहनीगर्थिगवधनसासह

७१
३

महाइ ४ खयासाव नाननया यया नमहा श्री कृष्ण धनयय कडा धन
अगनाचा वमगल उरुमकी हि जाकन हने महामाथ डालक
॥ न गगार्थिगवमके श्री धनसा न व धनमहिमाध्व ज नन कम १९
याकनाडा ज नम इथि न का अ विद्या कमहापडि न हनी गार्थि
गवमहार्थ उरुमपद विया व या रुक्म हने थसंसा न सु यामा

यात ४४ जाव कना व विद्याक ॥ महामाया धन विद्या नमः
हामाया ध जालक महामाया गति नम महामाया र्थ उ जात्र क ४४
गार्थिगवमके श्री धनसा न व धनमहिमाध्व ज नगनामा विद्या अ ह
नम इरुडा श्री विद्या नमहापडि न रुक्म हने गार्थिगु महामाया
मा ध क धाया उरुमपद वीडा न हने महामाया ४४ जालिका ध

यं
०

यद्यसंसा नसंखुजा नडयकथु नानापकालनं श्वनप्रविष्ठाकम्
२० ॥ महादादीयनिःश्वामहाश्रीनधनरायणी महाकाकिधनधीभा
महाविष्णुपनाकतम् ॥ ॥ गार्थिगुमर्केश्रीधनसादानपदिः २०
अथअन्यकमहा महादानयाकामहागली महागालिक हर्नमाया
नधनप्रपूहर्नमहाविष्णुवक कमावकउरुमहर्नसूयासिर्नपः

गकमिःसूयासिर्नयालवकम् ॥ २० ॥ महाध्यानसमाधिः ॥ म
हायज्ञसन्निधौक ॥ महाध्यानमहायायः पदिहानसागत्र ॥ २
गार्थिगुमर्केश्रीधनसा महाध्यानसमाधिः ॥ धायः महासमाः
धिध्याननेसंयन्नशुभाहनागार्थिगुधनसा अनूरुप्रहानसात्रि
धनत्रयविष्ठाक हर्नगार्थिगुमहावनवक महाउपायसिद्धिः ॥

५

नयासम्पदः ॥ ११ ॥ महामेधीमयामयामहाकायद्विद्वगधि
महापद्ममहाद्विमानमहापायमहाहर्षिः ॥ गार्थिवमर्षि
श्रीधरसाधुक्रमदसर्वपादियाय महकलूनायायाडाहनाः २०
गार्थिवमहापद्मवक्रार्थगक्याहानकस्ययाक ॥ महाउयका
त्रिशयावरुवरुवकार्ययायरुव ॥ १२ ॥ महामाद्विवला

पुनामहावगवमहाउव महद्विद्वमहसाक्षामहावप्रपनाक्रम ४॥
॥ गार्थिवमर्षिश्रीधरसाधुमहाद्विधायकववप्रधूडाहर्षि
महाव्यागवप्रथवस्यसिद्धिरुवधनमहानक्रवक्रमसमस्तसंस्त
यास्वामिद्वयाडावलमहापनाक्रम ॥ १३ ॥ महानृपीद्विसं
त्यनामहावक्रधनामयनमहाक्रममहागोदामहाहयहयंकन

य
दि

॥ गार्थिगवमः श्री धामनापदमवृत्तं संसात्रपदमवृत्तं यादमा
वयं वदयाह्वानधनप्रविष्ठाकमहाकुशोमहाप्रोदधायपापः
विप्रवर्गमिदं कथ्याहायहनीवमहाहयसिस्त्रीमहाहयंरयंक २२
कवसमस्तवीप्रयामरुयवी ॥ १३ ॥ महाविष्ठाकमानाथम
हामरुहामागुत्रमहायाननयालुशमहायाननयारुम्मे ॥

गार्थिगवमः श्री धामनामहाविष्ठाधयधउयनिमहावीद्यायास्वा
मिसमस्तकववमरुयागुत्रुयाहविष्ठाकमहायायनयाः
परिपातिदयकंउरुमक्रियास्तवधधिरामरुवीयास्तअहनीग
धिगवमहायानक्रियानकीयास्तलखडा ॥ १४ ॥ ॥ वद
धाममहामस्तुलग्नाध ॥ कडिमय ॥ १५ ॥ महावेना

अनावक्षामहामनिमहामनि। महामरुजयारुहामहामरुजयाम॥ :

॥ गार्थिग्वमरु श्रीध्वनसा वेभाननरुथागरुयाथिगुस्वरुवावमरुह

थ
ह

नवरुमानधर्मोपाहानध्वनयाकमरु रुयसुहनीगार्थिग्वमहामहाम

२३

रुउत्पल्लिरुवमडाकरुमरुह॥ १ ॥ दमपालमिषाभादमपालमि

ताभय। दमपालमिताभुद्धिदमपालमिमानय॥ ॥ मित्रपालमिता

आदिनदमपालमिताआध्वनयवृषहनीगार्थिग्वग्नीपुत्रपालमितायाः

आदीनआध्वनयवृषहनीगार्थिग्वग्नीपुत्रपालमितासुहार्थिग्वमरु

साकवयवहाउरुयादृशवहनीदमपालमितानेवत्रनयात्रेनिमि

षवीपुयाक॥ २ ॥ दमरुमिध्वननाथदमरुमिध्वनितुदमरुहान

विशुद्धसादमरुहानविशुद्धक॥ ॥ गार्थिग्वमरु श्रीध्वनसा महि

थ
क

माङ्गिगुलिहूमिस्त्रययास्यामिदमहूमिथानायहमगथिवधमसाः
जिगुलिनः प्रादिनगलीलपालपानमिगानविबद्धयानविद्योयाठधः
नपूवाठ॥ ३ ॥ दमका दमका थामूनिदादभवलीविहूमिजग
षविस्त्राथकनादमकाभावसिमहान्॥ ॥ गार्थिग्वमके श्रीधमन
नगादिमिमनिगुरिआकालजिनवावृद्धयानाज्ञास्वनूपसमसुसंसा

२४

प्रदयका वजिनाउकार्नेरुडीयवसयाकथथिवसंसात्रयाथकन॥ ४ ॥
मूनादिनिष्पुपवासाः शुद्धासा नथनसकः रुतवादिजथोवादिनथ
कात्रिअनन्यवाक॥ ॥ गार्थिग्वमके श्रीधमनमादिनेखमदडीः
मइसेसात्रसपापआदिनेदाघनेमपूठ॥ निर्मेलविर्हजद्वयस्त्रानस्वन
पः रुनेगार्थिग्वपुखकलनखन्यदकवावादहाकगथजानकलनमूर्ध्व

ध
६

उरुगिव धर्कं तथा गतपनि सन माह्वा दय काश विष्कार ॥ ७ ॥ अथ हया
दय वादि चरु ककारि यव थो न ने गा साह सिं नि ना द कृत्ति र्भृगु गहि क न ग
गथि गव मरु श्री समस्त जी ॥ ३ ॥ उवा नि न उ य र्हिया ण व सं सा न द य क
उरु ध कं प के रु न मा सा य के रु न मा सा था रु ह नी सिं ह या थि प ला क
म ॥ ३ ॥ सर्व सं रा व मा य गा रु न थ ग न म ना ऊ व जि न जि ना नि वी ऊ

२३

यिव क व र्हि महा व ल ॥ ॥ गथि गव मरु श्री समस्त सं सा न व सह न
पै रु व गथि गव मन या थि जि न ऊ ना ऊ न या ना ऊ सा म स्त स फ जा य न प
महा व क सं वा रु महा व ल व रु ॥ ॥ गध म ख ग ना रा य ग ल सा ग
म प नि व सि महा न रा था भो ल या प्र न न य या महा न य ॥ ॥ गथि ग
मरु श्री समस्त ग न या मा रु महा व र्था वृ ध ध र्म सं घ ग न या था क ल न

नयावसायाक। महाप्रणावधूत्रकाकात्रजात्मा॥ ८ ॥ वाग्विधुभा
 वापक्तिः वाग्मीवाचयश्चिस्मिन्ननर्तगि। संखवादिचवादिचुचउभस्यप्र
 दभक॥ ॥ गार्थिगवमयी ज्ञान्यकवचनयास्वामि, ज्ञान्यनयसमेक २६
 धाज्जादिनज्जगपूजानव्याख्यानयाक। समस्तयावचनयात्राशाहनी
 सत्यवचनैश्च सत्यसत्यवचनमह्लाकहनमेषीकनूष्णमृदिताउप

काश्चपतायातस्वदभनादिस्त्रादविद्याक॥ ९ ॥ अथैवर्हिकाह
 नागमीषेप्रत्यकनायकनायकः नानानिर्घाननिर्हनामहाहने
 ककावजग॥ ॥ गार्थिगवमयी शाकनाकाहः नकैनामहचत्यप्रह
 पञ्जनसमस्तयानायक॥ ॥ अथकप्रत्यकमहायानआडीनीमूय
 कगनिर्यानिडुवव। पृथ्वीआयनऊवापूः कौमोसुआकाननीपय॥

थ
५

रुम आसायानसुधध ॥ १० ॥ अहस्वीनासर्वहिकुःविहनागा
जीकडियकमपाना अरुयपाफारुनाकाटिहनाविल ॥ ॥ अ
त्रिहकायसिहका आथयवीननागयानसुधधननपुपंनकुडियाजयः २१
नपुसमर्थरुवभाक्षपदनाकथयानरुयममात्र ॥ ११ ॥ विह
चननसंपत्त सुगतनाकविलयन नीमभात्री ग्रहकायसुधधयनयथी

१॥ ॥ गार्थिगवमयाधनसा अरुनसासुववचपु। सुगतधयाननागतयाम
थसुधागवःनाकायाकायनकार्यसुधः सक्तवचनरुनमवनावचनमइ
अहंकालमइमहाकासत्रः सूत्रनत्वसदा ॥ १२ ॥ संसायपात्रकाटि
र्थरुनरुनथशथिनकोवत्यननीथुतीपह्लासुधविद्यानन ॥ ॥ स
सायपात्रयाठवोदयायमात्रपदाथयाठवादागुथाकूअनंनवाह्ला नभा

५
७

कृपयविवृज्ज्ञानमात्रक ॥ १२ ॥ सधर्मधर्मवासास्वानलाकासा
कप्रपत्रधर्मस्वधर्मनाजा। अथामार्गेषुदगक ॥ ॥ अथिज्ज्ञानध
नरुनकृज्ज्ञानयानाजामहानकृवक गथिगवध। नसामनूज्यामिरवा
यादथसहाकृथउचसधागवथिगवपत्रमस्ववसमसुयीनायक ४५ क
पस्यनमहायानानानुनमन्यकगनियानददवपृथाआपनकृवायू

२८

आकासः आकाशनीपवकृज्ज्ञानमायानसत्यध ॥ १४ ॥ सिद्धार्थसिद्धी
संकल्पसर्वसंकल्पवजिनिवीकल्याप्रकीयाहउः धर्मधमाउपवावय
॥ ॥ समस्त अथसिद्धियाकः सकल्पयाकथेमहजमगक नानावि
रुयाविकात्रसंकल्पनगालनयविक्रमहमायमहमायमह धर्मधमाउया
कात्रधमावत्रसमायमह ॥ १५ ॥ पृथ्वान्पृथ्वसंरात्रहानेहा

नैलमहान् ह्यनदेभे वान् दभ ह्यनिसैलालवयसंरुतः ॥ गार्थिग्वम
 र्श्यामहापूथवक जगत्तनाक पूथयातावमहाह्यनवक ह्यनजायनः
 पूथयवतनदश पयवहवतनमहपनमार्थ ह्यनधननानसंवपूथसैला २९
 नह्यनसैलानधननायनमार्थनजाहानया ॥ ५४ ॥ गार्थिग्वमविश्वया
 दागिध्यानाध्यायाधीयायकिप्रह्यामवययनपनमाग्रिह्यायधुक् ॥

गार्थिग्वमर्श्यामहापूथवक जगत्तनाक पूथयातावमहाह्यनवक ह्यनजायनः
 यागाशुकिनीसैपन्नगार्थिगुध्यानसैपन्न ध्यानयायजागह्यनजाहमह
 वृद्धिप्रकासयानैसमस्तमासानैसैउहवृत्तवलयनैववव ह्यनरुधा
 स्यासीनैआदिसजायलपू पूथसत्रिनह्यनसनित्रधर्मसुत्रिलधसा
 नाधननपूभानिप्रउरुममर्श्याध्यायम ॥ ५५ ॥ गार्थिग्वमविश्वया

三

ब्रह्मः पंचवह्नानासकाविः पंचवह्नासमकूरः पंचवह्नासमकूरः पंचवह्नासमकूरः ॥
 पृथ्वीसुनीनगादिनीहागुमिसुनिनधनसपृथ्वीवह्नासमकूरः ॥
 नसुनिननीसयूकूरः पंचवह्नासमकूरः ॥
 धनसपृथ्वी ॥ १८ ॥ ॥
 आनिधर्मयानिरुगवाकूरः ॥ ॥
 गतिरुमईश्वरीसमस्तनथाग

नयाववृक्षासमस्तवृक्षपूजकजायलपूजकपुष्पाध्याह्नमध्याह्ननया
ह्यानध्यानयाउत्तरिथानधर्मजाकयाथानसमस्तसंसाध्याह्नमात्रक
॥ १९ ॥ यनेकसालावृक्षासमस्तजागत्यानिगगनाहवस्वयंरूप
ह्यानानवाहान् ॥ ॥ गंधिवसमस्तधनयासालसाक्षाद्वृक्षसत्री
प्रथमथधर्मजायवपूह्यानयाजगतीत्यहह ॥ २० ॥ यनेनानमः

ल
५

रादीफिहानजानिवीनावनजगयाहृहान कामहानजयहास्वसुम
॥ गार्थिगवमरुथाधनसावेनावनथिमहानजयकहानयालि
धमवेनावनजगनसंसायानथवनजयकासयास्यविद्याकथ २९
वनजजाहस्यमानयास्यविद्याकम ॥ २९ ॥ विद्याविलेनसंय
नसंगनैलाकेविनाजगमननथमजवाडामहाथकमहापिषरु

गार्थिगविषदसिवीयपरि ॥ गार्थिगविद्यायाजाह्वीहनीमूनक
मरुयावाजाह्वीमहावक्रयाजहृह्यामीसंसाययाहावदभनयावक्र ॥
॥ २३ ॥ सर्वव्यासमहावाण्याजगदानयनावननीविश्वरूपीविद्यानाचः
र्यमानमहापवी ॥ ॥ हनीगार्थिगधनसासमस्तनथागनयाहृव
भवदधर्मसंघयाहृवदवाहृजगनसंसाययाववृमानययाकमिखा

धसमस्तदवनास्वरूपसमस्तसंसाधयकूःहर्नगधिग्वसमस्तदवमनूष्य
 आदिनीपूजायादंआदलमानायाभिधधिभधसपावकल॥ २१कः
 लजयधनामकीमहासमयमंरुधुकुन्तलजयधनगुहस्कीयानागमद २२
 सक॥ ॥गार्थिग्वमरुथीधनसामहाविद्याकूलआदीनीसागुनिकू
 लधनप्रपूजादमहासमयकीयायामरुस्वरूपवृक्षआदिनीखगुलीध

उःनन्तधनीहनाधवकपलकमहायानउपयगविडाउयारिह्लान॥ :
 ॥२४॥अभायपाशावीरुयिवजपासामहाग्रहवकीकूसा महापासाव
 ऊरुनयहिकल॥ ॥गार्थिग्वमरुथीसात्रसाअभायपाससर्वकूलपाल
 महाऊयकूःकूआहर्ननजाग्रहआदिनीवजपांसनविर्षवैधनयायकू
 ववजयाजकूःसिधनयापासधनप्रपूथधिग्वमहाधालमूर्तिःसेव

五

वज्रादिर्नमस्तुभ्यो ॥ २५ ॥ शुभिविशुद्धधर्मधनुस्तानां यथा
विभक्तिः ॥ २६ ॥ ॥ श्रीनिर्मलधर्मधनुस्तानां यथा ॥ ॥ काठ
वाचनं हि मन्त्रादिमन्त्राणां परमावलिः ॥ इति कथायुक्तकालः ॥ २७
सुताननं ॥ ॥ काठयात्रायां ॥ पूजागरवालयपरमजुष्टानि
रूपकाग्रानमस्तुभ्यो ॥ ॥ काठयात्रायां ॥ पूजागरवालयपरमजुष्टानि

खालनसंस्कृतम् ॥ १ ॥ यमाककावीघ्रनाजा वज्रव्यागवहयंकनवी
पूखवज्रहवजा माया वज्रामहादत्त ॥ ॥ ऊर्म्यानाजाया कविप्रया
रुमद नयायरु वज्रयावगधिगवमहाव्यागवक्रमहाहयीनक वज्रधन
पूखदयसंवज्रधननपू मायाचक्रसंवज्रमहाव्यागवक्रमवधदत्त ॥ २ ॥
कलिभसानवज्रयानिवज्रमहा नहापमः पूखवेकजरापाऊगेवर्मः

ल
क

पता धधुक ॥ ॥ हा वज्र या हिया अथम सर्व उफय हि स्थान वज्र गुरु
आकाश स्थिति व वृक्ष भगवज्र धन वपु गार्थिगव मूर्ति गाऊ व मायता क
धुक भय ॥ न क उठा हा नी कि न सिया रु गुलि न रया व श्री गव ॥ ३ ॥ हा २४
हा को भ म हा धा ना ही ही का न रया न का भू हा सा म हा हा सा वज्र हा
भ म हा वल ॥ ॥ हा वज्र थिगव मूर्ति हा हा को ल सर्व उ नी हि हि का न

अथ या रु वा ठ नि मि ति न मूर्ति रयं क व थ थिगव व द मे ख न द य क उ का
रु रु रु हा स वा रु ॥ ४ ॥ वज्र स ख म हा स ख वज्र वा जा म हा स ख वज्र व
धान हा प म वज्र हं का न हं क ति ॥ ॥ गा थिगव म र्ति श्री धन सा म र्ति श्री
या नू य वज्र या मूर्ति वज्र स ख र्व म हा भ वि व वा र्द वज्र या नू व न स रु जा
न रु रु न या न स स ख वज्र या सि रु र या न क ल प न म र्ति हं का न धा या

55/39

वीजाक्षयमरु ॥ ७ ॥ वज्रवानाक्षधधना वज्रस्वप्रतिर्हमनविश्व
वज्रधनावजीवकवज्रलनैजह ॥ ॥ गथिगवज्रधनलयाव
हवज्रवानधयावप्रनाकस्वमिहहवयाहविश्ववज्रधनलयेवाह
हगुलिवज्रनःसमस्तमिहजयप्रयवाह ॥ ८ ॥ वज्रकालाकनाः
नाका वज्रका नासिवाभूह वज्राव्यशामहाव्यशासनाका वज्रशदः

न॥ गार्थिगवमूर्तिवज्रवाद्यथ्यदृढभजध्वलमिखाकागसवज्रसदः
वीरुवाढभनद्विचयध्वलउरुममूर्ति॥ १ ॥ यलोडेमाकूलकनूव
जनीमो। कविग्रहं वज्रकाटिनखा लला वज्रसालघनरुवि॥ गार्थि
गवज्रनउत्पल्लिङ्गवसविप्रस्यमूर्तिवज्रार्थिगवविमिप्रिसकाटिकाटि
पमानं वज्रवउर्धिगवल्लुसि वज्रयानायकउर्धिगवगजवक्रमहावल

वक्र॥ ८ ॥ वक्रमात्राध्वन्योमान्नवर्जितलनरुषिन्हाहाकैटुहासा
 निघाषावक्रधाधायवक्रन॥ ॥ गार्थिगवमूर्धिरुधसपानसज्जोहन
 धवक्रमात्रावक्राहवक्षस्यभायाईविष्वाकहाहाकावसद्वर्नहसिरु २६
 यावद्वक्रवीमयनीसंरु॥ ९ ॥ मिश्रीमक्रधाधमहानादमश
 केकनवामहान्नाकासध्वजयथनधाषाधायवनावनज्जादगैह

नगार्थपादानसाधदमरा ॥ मश्रीयोधाधामहानादधायउरुमद
 नउयथापूम्भनाहवाधसपानसगार्थिगवसवद। नशाकननीनायह्मा
 काभययर्हथदसवदथार्थिगवसवदसंरुक्रुडा॥ १० ॥ राधुकिमाद
 मिनह्माजगार्थजिपूस्माका ॥ ११ ॥ नथताहमनेनासाहमकाटिः
 लक्रनशुन्यतावादिहपरागलिनादाननगाऊन॥ ॥ गार्थिगवपू

ले
क

रूपस्य संपादनाय नानागन्तव्यं नानासमस्तं पाणिद्वयं प्रसिद्धयार्थं नाक्या ८ अ
खत्रने सकमजि ७ ॥ पुन्यनावा दयः महागम्भीरं धाम महत्ता अरु न व
पुन्य ॥ १ ॥ धर्मसंख्यामहाप्रवदा धर्मभोगदी मरालन प्रसक्तिथिन ३०
निवाहमादभदिग्वमई इली ४ ॥ ॥ गार्थिग्वमई श्री धाम साखया सह न स
मस्तु नाक्या मंगल कृत् यथिग्व धर्मगीदी वाक न धसवद नंद स डिग्व स्व

नपर्यंकवस नपु दवला कमाक क्का कथन नाक उपदभे विडा ॥ २ ॥
अनूपानूपयानन्या ज्ञानानूपाम नाम नामय सर्व नृपाय रास श्री नमो य
रुविं वधुक् ॥ ॥ गार्थिग्वमई श्री नूपमइ आका भमइ समस्त कत्रपः
नीगी आदिनी नूपद व धर्म धनरूप सकन सी सा नया नूप ग अ कया न अर्थ
॥ ३ ॥ अप्रधुषामहसाया उलोकं धातुकमहेश्वर समुद्धी ना अमा

गार्थधर्मकृतमहोदधः ॥ ॥ गार्थिगवमरुप्रोधवसाहृदनीह नमकिः
 ववद्यादि विरुवनया ॥ स्वप्रचक्रमधर्ममागसथहस्येधाद ॥ ४ ॥
 उलायसैदेनं ककुमानागसुविनावृद्धपजापतिदाहिंसलकनधन ३८
 कानुललायसैदव ॥ ॥ गार्थिगवमरुप्रोसत्रयस्वर्गमध्यानाव
 सैवानकधसयालहनीगार्थिगवधप्रसासूयासीनैकाथवीलसूया

सीनैर्यस्तु समस्तयास्वामिधनप्रपगार्थिगवप्रमथनसूयनीना ३२२ः
 क्षनसैपन्नज्ञाजलायसैसावयानवनकनकूथार्थिगवसुदप्रभवमह
 ५ ॥ नाकहानगुनाचार्यलाकाचार्यविसावदनाथजानाजीवाका
 कसुवननीनायिनिलरुज ॥ ॥ नावजपाहिसमस्तलाकसैभवमह
 हानिसमस्तलाकयागुनयाआचार्यसमस्तयागुनूर्खेलाकयाथा

७

कूपसमस्तया कल्याणया कथं धसयात्रसक सत्रनया कम्प माकृषा
निकृव ॥ ७ ॥ गगनाहागसेहागचेहृहानसागत्र प्रविष्टीयकाः
संयमाहवपञ्चनयानन ॥ गार्थिगवमरुथी धनसागगनाहाग ३९
धायजाकाससकृन्नवर्षविद्याकसमस्तपात्रगतवधृह। हानयासा
गवधायसमृद्धर्थजहानहानकानेककृयानगलसंभावक संसा

त्रयार्पयकलधखलु २ याकगार्थिगवपञ्चनधालसा। वर्यकलहारापू ॥
॥ १ ॥ समगास्यस्त्रीसेवस। संसात्राधुवपात्रग। हानाहिककमकृल
सम्यकैवद्वहृषन ॥ गार्थिगवसमस्तहृहवनी४४धयादंभाव
कसेसालपात्रागयादंभाकभात्रावकृमधसथाल हानउपरिहृव
मकृजनपायावआहलनैधनिस्यविष्काक ॥ ८ ॥ शिद्वहृवहृहृव

५०

समन्तं चानां ज्ञात्वा मूकमानसं च विलविनीमर्हि प्राकाशसमः
जीगन् ॥ ॥ गार्थिगवमइया धनसा सुभाजनं कथयति मूर्ति का
यवा कश्चिरुधस्यमानं सैउ यरि रुयपापनिमूनयाठ भावक मूक ४०
सह ४ वेधन मानव मूकान ऊद भावक थय नाया कर्त सा व स हूः
नृयठ मययकं पूठ मययकं साका न पख ऊभासा ॥ ९ ॥ सर्वक

समन्तानि ज्ञात्वा धीन धगति गन् सर्व सख महा नाव गुन स पल यष
ल ॥ ॥ गार्थिगवमइया धनसा समरु यायन भा क पूस महा इ ४ ख
कथनया का गार्थिगव भा के ये उरु क महायान महायान सं व व व पः
विद्या क समरु ला क उरु म थय पूर पध स पाल समरु गुन या
बूजामनी ॥ १० ॥ सर्वापि द्वितीनि मूको नाया म व समि संधी क

॥ महाविनामसिधयः सर्वत्र नृणां विदुः ॥ ॥ गार्थिग्वमङ्गुलीधाय ॥
 सासीसा नलया वल्लि ककार्यमाया आदि नाना नर्तविद्या क सदा का
 ली आकासल नविद्या क। हर्तविनामसिधयः प्रपूज्य न क प्रत्ययासि ४९
 नउरुम प्रत्ययापि नरु प्रमैङ्गुली ॥ ११ ॥ महाकलय न नूली ता
 महाहृदय नारुम सर्वस्यार्थक कला ही जे वी स च स व स ल य

॥ गार्थिग्वमङ्गुली महाक नूला व क रूनी ना धाय। महाकलय पृथक् स
 नूपाय विद्या क नूतन न का हाय नार्थि उपमा नरु ल। समरु पाणि उ स्या र
 या क रू समरु पाणि यी कः ल्या नया क सुखया क जि बा रू दुया क क नू
 ना वा व ॥ १२ ॥ गुरु गुरु क नरु समय रू समयो वदु। स च डी
 यी ह्या व नरु वी मूकी यय का विड ॥ ॥ गार्थिग्वहर्तमहि र कालः

फ
दि

स्य वसमयमशुलया क्वस वस्वरावस वसमयं शुयाथीव नृप। सः
मस्तया पाधवायूयाव ॥ ७३ ॥ अत्रिययाकावधसी ॥ समस्त मूलि मार्ग
वियरु व ॥ १२ ॥ गुनिगुनरुधर्मरूपसस्त्रमगवा दय सर्वम
लमागल्यं हरि लक्ष्मीजमशु ॥ ॥ समस्त गुनस वसमस्त ध
र्मस वषवी ॥ मगलरु वशु उदयक वरु वसमस्त मगलस्वपमस्त

४२

प-३६८ धर्मरत्न ब्रह्माचार्य सुरत श्री महाविहार